अत्यंत गोपनीय-केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2025-26

अंक-योजना

हिंदी 'ब' विषय कोड - 085

प्रश्न-पत्र कोड-- 4/2/1, 4/2/2, 4/2/3

सामान्य निर्देश:-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के उचित आकलन के लिए उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा- प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किये गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है। इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा-प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति / दस्तावेज को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र / वेबसाइट आदि में छापना भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है।

3. अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।

4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करे और आश्वस्त हो कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को और उत्तर- पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

5. परीक्षक सही उत्तर पर सही (√) और गलत उत्तर पर गलत (×) का निशान लगाएँ। परीक्षक द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

6. **यदि किसी प्रश्न का उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर अंत में दायीं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायीं ओर के हाशिये के प्रारंभ में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**

7. **यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये के प्रारंभ में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।**

8. **यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न / प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें / उन्हीं पर अंक दें।**

9. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

11. **प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)**

12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में होती रही हैं-

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक या कम अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर-पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का मुख पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- मुख पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर-पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंक-सूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना।

13. परीक्षक यह भी सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जाए, मुख पृष्ठ पर की गई प्रविष्टि सही हो तथा प्राप्तांक को अंकों और शब्दों में लिखा जाए।

14. परीक्षार्थी निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर अनुरोध कर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। अतः सभी मुख्य परीक्षकों / अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों / परीक्षकों / समन्वयकों को एक बार फिर से याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य-बिंदुओं के अनुसार ही मूल्यांकन किया जाए।

Series: KMLN2 **प्रश्न-पत्र कोड 4/2/1, 4/2/2, 4/2/3**

अंक योजना

निर्धारित समय : 3 घंटे **हिंदी 'ब'(085)** **अधिकतम अंक : 80**

प्रश्न सं.	सेट-1	सेट-2	सेट-3	मूल्यांकन बिंदु	अंक
	4/2/1	**4/2/2**	**4/2/3**	**खंड - क** **(अपठित बोध)**	**(14)**
1	**1**	**2**	**1**	**अपठित गद्यांश** पर आधारित प्रश्नों के उत्तर : **बहुविकल्पीय -**	**(7)**
	(i)	(i)	(i)	(D) प्लास्टिक के प्रयोग को धीरे-धीरे बंद करने की शुरुआत	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(B) समस्त प्लास्टिक कचरे को पुनः उपयोग योग्य बनाया जा सकता है।	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(A) प्लास्टिक कचरा	1
				वस्तुपरक -	
	(iv)	(iv)	(iv)	नई संस्कृति- ● 'एक बार प्रयोग होने वाली उपभोक्ता संस्कृति', 'इस्तेमाल करो और फेंको' की प्रवृत्ति दुष्परिणाम- ● पर्यावरण प्रदूषण, प्लास्टिक कचरे से जल जमाव की समस्या	1+1
	(v)	(v)	(v)	● पर्यावरण प्रदूषण के विरुद्ध आम आदमी की जागरूकता ● नागरिकों में कर्त्तव्य-बोध एवं आदतों में बदलाव ● पुनर्चक्रण और प्लास्टिक के स्थान पर अन्य विकल्पों को अपनाना (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	2
2	**2**	**1**	**2**	**अपठित गद्यांश** पर आधारित प्रश्नों के उत्तर : **बहुविकल्पीय -**	**(7)**
	(i)	(i)	(i)	(A) देश की आम जनता के आवागमन के लिए उपलब्ध यातायात के साधन	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(D) आर्थिक समानता को बढ़ावा देती है।	1
				वस्तुपरक-	
	(iv)	(iv)	(iv)	● जीवाश्म ईंधन की आवश्यकता न होने के कारण पर्यावरण को कोई क्षति नहीं ● हानिकारक कार्बन का उत्सर्जन नहीं होता	2
	(v)	(v)	(v)	● अन्य वाहनों की तुलना में गति कम ● हीनता-बोध, असुरक्षा का भाव आदि (अन्य उपयुक्त कारण भी स्वीकार्य)	2

				खंड – ख **(व्यावहारिक व्याकरण)**	**(16)**
3	**3**	**3**	**3**	**'पदबंध'** पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	**(4x1 =4)**
	(i)	-	-	संज्ञा पदबंध	1
	(ii)	-	-	पहचान : शीर्ष पद - विशेषण विस्तार - अन्य पद उदाहरण : लोहे की बड़ी अलमारी से पुस्तक ले आओ। (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	½+½
	(iii)	-	-	सर्वनाम पदबंध	1
	(iv)	-	-	नीले काँच के मोतियों जैसी	1
	(v)	-	-	भेद- क्रिया विशेषण पदबंध कारण- 'दौड़ना' क्रिया की स्थान संबंधी विशेषता का बोध	½+½
	-	(i)	-	संज्ञा पदबंध	1
	-	(ii)	-	पहचान : शीर्ष पद - सर्वनाम विस्तार - अन्य पद उदाहरण : **दूसरों की सहायता करने वाला वह** चला गया। (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	½+½
	-	(iii)	-	काँच के मनकों जैसी- विशेषण पदबंध अथवा उसकी आँखें / काँच के मनकों – संज्ञा पदबंध	½+½
	-	(iv)	-	भेद- क्रियाविशेषण पदबंध कारण- 'नाचना' क्रिया के संपन्न होने की 'रीति' का बोध	½ +½
	-	(v)	-	क्रिया पदबंध	1
	-	-	(i)	संज्ञा पदबंध	1
	-	-	(ii)	पहचान-क्रिया पदों का समूह, शीर्ष पद - क्रिया उदाहरण : बच्चे नाच-गा रहे हैं। (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	½ +½
	-	-	(iii)	कठोर परिश्रम करने वाले- विशेषण पदबंध अथवा कठोर परिश्रम करने वाले तुम - सर्वनाम पदबंध अथवा सफल होंगे – क्रिया पदबंध	½ +½
	-	-	(iv)	विशेषण पदबंध	1

	-	-	(v)	भेद- क्रिया विशेषण पदबंध कारण- 'गुनगुनाना' क्रिया के संपन्न होने की रीति का बोध	½ +½
4	**4**	**4**	**4**	**'रचना के आधार पर वाक्य भेद'** पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	**(4x1 =4)**
	(i)	-	-	प्रकृति के कष्टों को महसूस करने वाले ही सही अर्थों में मनुष्य हैं।	1
	(ii)	-	-	सरल वाक्य के अर्थ को परिवर्तित न करते हुए एक प्रधान उपवाक्य और शेष आश्रित उपवाक्य को समुच्चयबोधक अव्यय द्वारा जोड़ना उदाहरण: तुम पढ़कर सो जाना। - सरल वाक्य जब तुम पढ़ लोगे तब सो जाना। - मिश्र वाक्य (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	½+½
	(iii)	-	-	जैसे ही दिन निकला, वह नदी पर गई और नहाई। अथवा जब दिन निकला तब वह नदी पर गई और नहाई।	1
	(iv)	-	-	माँ थक गईं इसलिए वह सो गईं। अथवा माँ थक गईं और वह सो गईं।	1
	(v)	-	-	मिश्र वाक्य	1
	-	(i)	-	उसके पंख खोलते ही तीसरी बूँद गिर पड़ी।	1
	-	(ii)	-	संयुक्त वाक्य से सरल वाक्य बनाते समय योजक शब्द का लोप, एक उद्देश्य और एक विधेय का प्रयोग उदाहरण : संयुक्त वाक्य- वर्षा हो रही थी इसलिए बच्चे खेलने नहीं गए। सरल वाक्य : वर्षा होने के कारण बच्चे खेलने नहीं गए। (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	½+½
	-	(iii)	-	जैसे ही/ज्यों ही चाँद उगा, वह राजकुमार के पास गई। अथवा जब चाँद उगा तब वह राजकुमार के पास गई।	1
	-	(iv)	-	गौरैया बच्चे के सिरहाने उड़ी और पंखों से हवा करने लगी।	1
	-	(v)	-	सरल वाक्य	1

	-	-	(i)	आकाश में एक भी बादल के न होने पर भी पानी बरस रहा है।	1
	-	-	(ii)	मिश्र वाक्य से सरल वाक्य बनाते समय समुच्चयबोधक अव्यय का लोप, एक उद्देश्य और एक विधेय का प्रयोग उदाहरण : मिश्र वाक्य- चूँकि वर्षा हो रही थी इसलिए बच्चे खेलने नहीं गए। सरल वाक्य : वर्षा के कारण बच्चे खेलने नहीं गए। (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	½+½
	-	-	(iii)	चूँकि ठंड है इसलिए उसकी अँगुलियाँ नहीं चल रही हैं। अथवा उसकी अँगुलियाँ इसलिए नहीं चल रही हैं क्योंकि ठंड है।	1
	-	-	(iv)	गौरैया बंदरगाह की ओर गई और जहाज पर बैठ गई।	1
	-	-	(v)	सरल वाक्य	1
5	**5**	**5**	**5**	**'समास'** पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	**(4x1 =4)**
	(i)	-	-	विशेषता- पूर्व पद अव्यय और प्रधान उदाहरण- यथाविधि (अन्य उचित उदाहरण भी स्वीकार्य)	½+½
	(ii)	-	-	लोकप्रिय- तत्पुरूष समास	½+½
	(iii)	-	-	'दिन-रात' में दोनों पद प्रधान और योजक चिह्न का प्रयोग	1
	(iv)	-	-	लंबा है उदर जिसका (गणेश)-बहुव्रीहि समास अथवा लंबा है जो उदर- कर्मधारय समास	½+½
	(v)	-	-	चंद्र के समान मुख / मुख रूपी चंद्र	1
	-	(i)	-	विशेषता- कर्मधारय समास में विशेषण-विशेष्य या उपमेय-उपमान का संबंध, उत्तरपद प्रधान उदाहरण- श्वेतकमल (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	½+½
	-	(ii)	-	आँचरहित- तत्पुरूष समास	½+½
	-	(iii)	-	द्विगु समास में प्रथम पद संख्यावाची, प्रथम पद 'अष्ट' संख्यावाची	1
	-	(iv)	-	स्थिति के अनुसार- अव्ययीभाव	½+½
	-	(v)	-	वीणा है पाणि (हस्त) में जिसके अर्थात सरस्वती	1
	-	-	(i)	बहुव्रीहि समास में कोई पद प्रधान नहीं, किसी अन्य पद की ओर संकेत उदाहरण - नीलकंठ - नीला है कंठ जिसका अर्थात शिव (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	½+½
	-	-	(ii)	महासंग्राम - कर्मधारय समास	½+½

	-	-	(iii)	कायदे के अनुसार	1
	-	-	(iv)	प्रथम पद 'नीला' विशेषण और 'गगन' (उत्तर पद) विशेष्य	1
	-	-	(v)	पाँच वटों का समूह – द्विगु समास	½+½
6	**6**	**6**	**6**	**'मुहावरे'** पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	**(4x1 =4)**
	(i)	-	-	खुशी का ठिकाना न रहना (अन्य उपयुक्त मुहावरा भी स्वीकार्य)	1
	(ii)	-	-	उचित अर्थपूर्ण वाक्य-प्रयोग पर अंक दिए जाएँ	1
	(iii)	-	-	आँखें गड़ाना (अन्य उपयुक्त मुहावरा भी स्वीकार्य)	1
	(iv)	-	-	आँख से अंगारे बरसाना / आपे में न रहना / आग-बबूला होना / आपा खोना (अन्य उपयुक्त मुहावरा भी स्वीकार्य)	1
	(v)	-	-	कलेजा ठंडा होना - मन को शांति / संतुष्टि मिलना कलेजा मुँह को आना – घबरा जाना या भयभीत हो जाना (अर्थ अथवा वाक्य-प्रयोग द्वारा अंतर स्पष्ट करने पर अंक दिए जाएँ)	½+½
	-	(i)	-	पापड़ बेलना (अन्य उपयुक्त मुहावरा भी स्वीकार्य)	1
	-	(ii)	-	उचित अर्थपूर्ण वाक्य-प्रयोग पर अंक दिए जाएँ	1
	-	(iii)	-	जले / घाव पर नमक छिड़कना (अन्य उपयुक्त मुहावरा भी स्वीकार्य)	1
	-	(iv)	-	आँखों से अंगारे बरसाना / आपे में न रहना / आग-बबूला होना / आपा खोना (अन्य उपयुक्त मुहावरा भी स्वीकार्य)	1
	-	(v)	-	आँखों पर परदा पड़ना - सच्चाई को न देख पाना आँखों में धूल झोंकना - धोखा देना (अर्थ अथवा वाक्य-प्रयोग द्वारा अंतर स्पष्ट करने पर अंक दिए जाएँ)	½+½
	-	-	(i)	घाट-घाट का पानी पीना (अन्य उपयुक्त मुहावरा भी स्वीकार्य)	1
	-	-	(ii)	उचित अर्थपूर्ण वाक्य-प्रयोग पर अंक दिए जाएँ	1
	-	-	(iii)	सिर पर नंगी तलवार लटकना (अन्य उपयुक्त मुहावरा भी स्वीकार्य)	1
	-	-	(iv)	ख्याली पुलाव पकाना / खुली आँखों से सपने देखना / बातों के पुल बनाना (अन्य उपयुक्त मुहावरा भी स्वीकार्य)	1
	-	-	(v)	आँखें फाड़कर देखना - आश्चर्यचकित होकर देखना आँखें ठंडी होना – दर्शन-लाभ से आँखों को सुख मिलना (अर्थ अथवा वाक्य-प्रयोग द्वारा अंतर स्पष्ट करने पर अंक दिए जाएँ)	½+½

				खंड – ग **(पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक)**	**(28)**
7	**7** (i) (ii) (iii) (iv) (v)	9 (i) (ii) (iii) (iv) (v)	10 (i) (ii) (iii) (iv) (v)	**'पठित काव्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर : (C) अपने दुखों को हरने की (B) प्रह्लाद की रक्षा के लिए (A) श्री कृष्ण की भक्तवत्सलता को दर्शाने हेतु (A) दास्य भाव की (C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	**5 x 1 = 5**
8	**8** (i) (ii) (iii) (iv)	10 (i) (ii) (iii) (iv)	11 (i) (ii) (iii) (iv)	**'काव्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित (लगभग 25-30 शब्दों में) – ● पर्वतों द्वारा पुष्प-रूपी नेत्रों से ताल में अपने प्रतिबिंब को निहारना ● वृक्षों का आकाश को अपलक निहारना और चिंतित दिखना ● शाल के वृक्षों का भयभीत होना ● झरनों द्वारा पर्वतों के यश का गान करना (कोई भी दो उदाहरण स्वीकार्य) ● स्वाभिमानी और आत्मविश्वासी ● ईश्वर पर असीम विश्वास ● भाग्यवादी नहीं, संघर्षशील (कोई दो बिंदु अपेक्षित) उदाहरण – ● हिरण की नाभि में ही पाई जाने वाली कस्तूरी स्पष्टीकरण- ● सृष्टि के कण-कण एवं स्वयं के अंतर्मन में ईश्वर का वास ● अज्ञानता के कारण ईश्वर की सर्वव्यापकता का बोध नहीं ● कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियाँ ● हर क्षण मृत्यु का सामना ● अपने बलिदान के बाद देश-रक्षा की चिंता (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	**(3x2 = 6)** 2 2 1+1 2

9	**9** (i) (ii) (iii) (iv) (v)	**7** (i) (ii) (iii) (iv) (v)	**8** (i) (ii) (iii) (iv) (v)	**'पठित गद्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर : (C) वज़ीर अली को गिरफ़्तार करने के लिए (A) उसे अपनी वीरता और बहादुरी पर दृढ़ विश्वास था। (C) उसकी दिलेरी और बहादुरी के कारण (C) बुद्धि-बल का प्रयोग करके (A) साहस	**5 x 1 = 5**
10	**10** (i) (ii) (iii) (iv)	**8** (i) (ii) (iii) (iv)	**9** (i) (ii) (iii) (iv)	**'गद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित (लगभग 25-30 शब्दों में) – ● बाल-मनोवृत्ति के अनुसार खेल के प्रति बालकों का सहज आकर्षण ● जैसे मृत्यु की शाश्वतता को जानते हुए भी व्यक्ति का सांसारिक मोह-माया के बंधनों में जकड़े रहना वैसे ही बालकों में डाँट-फटकार के बाद भी खेल के प्रति प्रेम बने रहना ● 26 जनवरी 1931 के दिन कलकत्ता में स्वतंत्रता दिवस की पहली वर्षगाँठ का आयोजन ● कलकत्ता में पिछले वर्ष के आयोजन में कम भागीदारी के कलंक को मिटाने का अवसर अभिप्राय- ● पशुओं की प्रदर्शनी एवं मनोरंजन के लिए आयोजित मेला (प्रश्न के दूसरे भाग के लिए विद्यार्थियों के मुक्त उत्तर स्वीकार्य) ● पक्ष: दुख में, संघर्ष की स्थिति में व्यक्ति को अपनी कमजोरी के साथ-साथ अपने आत्मबल और बौद्धिक बल का ज्ञान होना ● विपक्ष : सामर्थ्य की कमी से विपत्ति में व्यक्ति का आत्मविश्वास कम होना और मनोबल टूटना (पक्ष अथवा विपक्ष में विद्यार्थियों के उपयुक्त उत्तर स्वीकार्य)	**(3x2 = 6)** 2 2 1+1 2
11	**11** (i)	**11** (i)	**7** (i)	पूरक पाठ्य पुस्तक 'संचयन' पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40 – 50** शब्दों में अपेक्षित - ● हरिहर काका के साथ ठाकुरबारी के महंत तथा उनके अपने भाइयों द्वारा किए गए स्वार्थपूर्ण व्यवहार को समझकर ● गाँव के रमेसर की विधवा के साथ उसके पति के भाइयों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार को जानकर ● लेखक के साथ सलाह-मशवरा से	**(2x3 =6)** 3

	(ii) (iii)	(ii) (iii)	(ii) (iii)	• प्रतिक्रिया सर्वथा अनुचित • बच्चे धर्म, जाति, संप्रदाय और भाषा के बंधनों से मुक्त (विद्यार्थियों के तर्कपूर्ण मुक्त उत्तर स्वीकार्य) • परेड के दौरान अच्छे प्रदर्शन पर बच्चों को शाबाशी देना • पाले हुए तोतों को भीगे बादाम छीलकर खिलाना • तोतों से मीठी-मीठी बातें करना	3 3
				खंड – घ **(रचनात्मक लेखन)**	**(22)**
12	**12**	12	15	किसी **एक** विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लेखन : • विषय-वस्तु – 3 अंक • भाषा – 1 अंक • प्रस्तुति – 1 अंक	**1 x 5 = 5**
13	**13**	**13**	**12**	किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में औपचारिक पत्र लेखन: • आरंभ व अंत की औपचारिकताएँ – 1 अंक • विषय-वस्तु – 3 अंक • भाषा – 1 अंक	**1 x 5 = 5**
14	**14**	**14**	13	किसी **एक** विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लेखन: • विषय-वस्तु – 2 अंक • प्रारूप – 1 अंक • भाषा – 1 अंक	**1 x 4 = 4**
15	**15**	**15**	**14**	किसी **एक** विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन : • विषय-वस्तु – 1 अंक • प्रस्तुति – 1 अंक • भाषा – 1 अंक	**1 x 3 = 3**
16	**16**	**16**	**16**	लघुकथा लेखन **अथवा** ई-मेल लेखन : लघुकथा लेखन (लगभग 100 शब्दों में) – • मौलिक विषय-वस्तु – 3 अंक • भाषा – 1 अंक • प्रभाव – 1 अंक	**1 x 5 = 5**

				अथवा ई-मेल लेखन (लगभग 80 शब्दों में) - ● विषय-वस्तु – 3 अंक ● प्रारूप – 1 अंक ● भाषा – 1 अंक	